SAMPLE QUESTION PAPER - 2
Hindi A (002)
Class IX (2024-25)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग, घ।
- खंड-क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- खंड-ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खंड-ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 21 है।
- खंड-घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

देश की आजादी के उनहत्तर वर्ष हो चुके हैं और आज जरूरत है अपने भीतर के तर्क प्रिय भारतीयों को जगाने की, पहले नागरिक और फिर उपभोक्ता बनने की। हमारा लोकतंत्र इसलिए बचा है कि हम सवाल उठाते रहे हैं। लेकिन वह बेहतर इसलिए नहीं बन पाया क्योंकि एक नागरिक के रूप में हम अपनी जिम्मेदारियों से भागते रहे हैं। किसी भी लोकतांत्रिक प्रणाली की सफलता जनता की जागरूकता पर ही निर्भर करती हैं।
एक बहुत बड़े संविधान विशेषज्ञ के अनुसार किसी मंत्री का सबसे प्राथमिक, सबसे पहला जो गुण होना चाहिए वह यह कि वह ईमानदार हो और उसे भ्रष्ट नहीं बनाया जा सके। इतना ही जरूरी नहीं, बल्कि लोग देखें और समझे भी कि यह आदमी ईमानदार है। उन्हें उसकी ईमानदारी में विश्वास भी होना चाहिए। इसलिए कुल मिलाकर हमारे लोकतंत्र की समस्या मूलत: नैतिक समस्या है। संविधान, शासन प्रणाली, दल, निर्वाचन ये सब लोकतंत्र के अनिवार्य अंग हैं। पर जब तक लोगों में नैतिकता की भावना न रहेगी, लोगों का आचार-विचार ठीक न रहेगा तब तक अच्छे से अच्छे संविधान और उत्तम राजनीतिक प्रणाली के बावजूद लोकतंत्र ठीक से काम नहीं कर सकता। स्पष्ट है कि लोकतंत्र की भावना को जगाने व संवर्धित करने के लिए आधार प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक है। आजादी और लोकतंत्र के साथ जुड़े सपनों को साकार करना है, तो सबसे पहले जनता को स्वयं जाग्रत होना होगा। जब तक स्वयं जनता का नेतृत्व पैदा नहीं होता, तब तक कोई भी लोकतंत्र सफलतापूर्वक नहीं चल सकता। सारी दुनिया में एक भी देश का उदाहरण ऐसा

नहीं मिलेगा जिसका उत्थान केवल राज्य की शक्ति द्वारा हुआ हो। कोई भी राज्य बिना लोगों की शक्ति के आगे नहीं बढ़ सकता।

1. लगभग उनहत्तर वर्ष की आजादी के बाद नागरिकों से लेखक की अपेक्षाएँ क्या हैं? (1)
   (क) अपने भीतर के तर्क प्रिय भारतीयों को जगाने की
   (ख) पहले नागरिक और फिर उपभोक्ता बनने की
   (ग) उपरोक्त दोनों
   (घ) और अधिक धन कमाने की
2. किसी भी लोकतंत्र की सफलता किस पर निर्भर करती है? (1)
   (क) नैतिकता की भावना पर
   (ख) धन कमाने पर
   (ग) राज्य की शक्ति पर
   (घ) उत्तम राजनीतिक प्रणाली पर
3. हमारे लोकतांत्रिक देश में किस चीज़ का अभाव है? (1)
   (क) राजनीतिक प्रणाली
   (ख) जागरूकता
   (ग) ईमानदारी
   (घ) नैतिकता
4. किसी मंत्री की विशेषता क्या होनी चाहिए? (2)
5. लोकतंत्र की भावना को जगाना-बढ़ाना किस प्रकार का दायित्व है? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[7]**

यह मजूर, जो जेठ मास के इस निधूम अनल में
कर्ममग्न है अविकल दग्ध हुआ पल-पल में;
यह मजूर, जिसके अंगों पर लिपटी एक लैंगोटी;
यह मजूर, जर्जर कुटिया में जिसकी वसुधा छोटी;
किस तप में तल्लीन यहाँ है भूख-प्यास को जीते,
किस कठोर साधन में इसके युग के युग हैं बीते।

कितने महा महाधिप आए, हुए विलीन क्षितिज में,
नहीं दृष्टि तक डाली इसने, निर्विकार यह निज में।
यह अविकंप न जाने कितने घूंट पिए हैं विष के,
आज इसे देखा जब मैंने बात नहीं की इससे।
अब ऐसा लगता है, इसके तप से विश्व विकल है,
नया इंद्रपद इसके हित ही निश्चित है निस्संशय।

I. कवि की दशा कैसी है? (1)
   i. उसकी दशा अच्छी है
   ii. वह पेट भरने लायक भी नहीं कमा पाता

iii. वह इन्द्रपद पर आसीन है

iv. वह सुखी है

II. उसने जीवन को कैसे जिया है? (1)

i. विष का घूँट पीकर

ii. अमृत का घूँट पीकर

iii. पानी का घूँट पीकर

iv. दूध का घूँट पीकर

III. मजदूर की दशा देखकर कवि को क्या लगता है? (1)

i. वह बहुत प्रसन्न है

ii. वह बहुत दुखी है

iii. वह बहुत उदास है

iv. उसकी दशा में सुधार होगा

IV. जेठ का महीना कवि को बाधित क्यों नहीं कर रहा है? (2)

i. क्योंकि वह अपने काम में मग्न है

ii. क्योंकि उसकी दशा दीन - हीन है

iii. क्योंकि काम करना उसकी आदत बन चुका है

iv. क्योंकि उसने विष का घूँट पीया है

V. उसने बडे-से-बड़े लोगों को भी अपना कष्ट क्यों नहीं बताया? (2)

i. क्योंकि किसी ने उसे नहीं समझा

ii. क्योंकि वह किसी को नहीं जानता

iii. क्योंकि वह अपने काम में तल्लीन था

iv. क्योंकि उसके पास समय नहीं था

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. **निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-** **[4]**

निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूल शब्द अलग करके लिखिए- (किन्ही दो) (2)

i. संभावना

ii. अज्ञात

iii. आशंका

निम्नलिखित मूल शब्दों में प्रत्यय जोड़कर बनने वाले शब्द लिखिए- (किन्ही दो) (2)

i. शब्द + ओं

ii. ग्राम + ईन

iii. साँप + ओला

4. निर्देशानुसार **किन्हीं चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए और उपयुक्त समास का नाम भी लिखिए। **[4]**

i. यथानियम (विग्रह कीजिए)

ii. शराहत (विग्रह कीजिए)

iii. नेक है नाम जिसका (समस्त पद लिखिए)

iv. कुमारी श्रमणा (समस्त पद लिखिए)

v. चार गुनी (समस्त पद लिखिए)

5. निर्देशानुसार **किन्हीं चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। **[4]**

i. शाम हॉकी खेल रहा है। **(अर्थ के आधार पर वाक्य भेद)**

ii. सड़क पर नियमों का पालन करना चाहिये। **(अर्थ के आधार पर वाक्य भेद)**

iii. शायद आज पिताजी आएँगे। **(इच्छावाचक वाक्य)**

iv. यदि वर्षा होती तो फ़सल भी होती। **(विधानवाचक वाक्य)**

v. काश ! तुम कल आते। **(प्रश्नवाचक वाक्य)**

6. निम्नलिखित काव्यांशों में से **किन्हीं चार** के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए - **[4]**

i. चारु चंद्र की चंचल किरणे खेल रही थीं जल थल में।

ii. लाली मेरे लाल की जित देखौं तित लाल।

iii. तब हार पहार से लागत है, अब आनि के बीच पहार परे।

iv. तीन बेर खाती थी वह तीन बेर खाती है।

v. सीधी चलते राह जो, रहते सदा निशंक जो करते विप्लव, उन्हें, 'हरि' का है आतंक

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जानवरों में गधा सबसे ज्यादा बुद्धिहीन समझा जाता है। हम जब किसी आदमी को परले दराजे का बेवकूफ़ कहना चाहते हैं, तो उसे गधा कहते हैं। गधा सचमुच बेवकूफ़ है या उसके सीधेपन, उसकी निरापद सहिष्णुता ने उसे यह पदवी दे दी है, इसका निश्चय नहीं किया जा सकता। गायें सींग मारती हैं, ब्याई हुई गाय तो अनायास ही सिंहनी का रूप धारण कर लेती है। कुत्ता भी बहुत गरीब जानवर है, लेकिन कभी-कभी उसे भी क्रोध आ ही जाता है; किंतु गधे को कभी क्रोध करते नहीं सुना, न देखा। जितना चाहो गरीब को मारो, चाहे जैसी खराब, सड़ी हुई घास सामने डाल दो, उसके चेहरे पर कभी असंतोष की छाया भी न दिखाई देगी।

(i) प्रस्तुत गद्यांश में किसके सीधेपन के बारे में बताया गया है?

क) गधे के   ख) कुत्ते के

ग) बैल के　　　　　　　　　　घ) भैंस के

(ii) किस तरह के आदमी को गधे की संज्ञा दी जाती है?

क) इनमें से कोई नहीं　　　　　　ख) बुद्धिमान व्यक्ति को

ग) बिल्कुल बुद्धिहीन व्यक्ति को　　घ) सीधे-साधे व्यक्ति को

(iii) **निरापद सहिष्णुता** से क्या अभिप्राय है?

क) बुद्धिहीन व्यक्ति की सहनशीलता　　ख) बुद्धिमान व्यक्ति की सहनशीलता

ग) किसी को विपदा में डालने वाली सहनशीलता　　घ) किसी को विपदा में न डालने वाली सहनशीलता

(iv) किस जानवर को कभी क्रोध करते न देखा और न सुना गया?

क) गधे को　　　　　　　　ख) कुत्ते को

ग) गाय को　　　　　　　　घ) बैल को

(v) **निरापद** में कौन-सा उपसर्ग है?

क) निर्　　　　　　　　　ख) निरा

ग) निर　　　　　　　　　घ) नि

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) लेखक ने जब तिब्बत यात्रा की थी तब वहाँ कानून और सुरक्षा की स्थिति कैसी थी? **[2]**

(ii) 'सालिम अली, तुम लौटोगे ना!' लेखक ने ऐसा क्यों कहा है? **[2]**

(iii) लेखिका महादेवी वर्मा ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है? **[2]**

(iv) आपकी दृष्टि में वेश-भूषा के प्रति लोगों की सोच में आज क्या परिवर्तन आया है? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

पखापखी के कारनै, सब जग रहा भुलान।
निरपख होइ के हरि भजे, सोई संत सुजान।।

(i) कबीर जी के अनुसार, किसके कारण पूरा संसार भक्ति के वास्तविक मार्ग को भूल गया है?

क) इनमें से कोई नहीं　　　　　　ख) पक्ष-विपक्ष के कारण

ग) नास्तिकता के कारण

घ) लड़ाईझगड़े के कारण

(ii) हरिभजन के लिए किस भावना का होना आवश्यक है?

क) भेदभाव की भावना का

ख) धर्म पर विश्वास करने की भावना का

ग) पक्षपात की भावना का

घ) मन में निष्पक्षता की भावना का

(iii) **निरपख होई के हरि भजै, सोई संत सुजान** पंक्ति है क्या आशय है?

क) मनुष्य को बिना किसी पक्ष-विपक्ष के भक्ति का मार्ग अपनाना चाहिए

ख) मनुष्य को बिना किसी तर्क-वितर्क के भगवान का भजन करना चाहिए

ग) सभी

घ) निष्पक्ष भक्ति करने वाला ही सच्चे अर्थों में संत कहलाता है

(iv) सच्चा ज्ञानी कौन कहलाता है?

क) जो बैर-भाव के साथ ईश्वर भजन करता है

ख) जो भेदभाव को सर्वोपरि रखता है

ग) जिसमें जातिवाद की भावना होती है

घ) जो बैर-भाव से दूर रहकर ईश्वर भजन करता है

(v) सोई संत सुजान में कौन-सा अलंकार है?

क) उपमा

ख) यमक

ग) उत्प्रेक्षा

घ) अनुप्रास

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) 'कोहरे से ढकी' कहकर कवि ने किस तरह की परिस्थितियों की ओर संकेत किया है? 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' काविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(ii) मेघ के आने की तुलना पाहून से क्यों की गई हैं? **[2]**

(iii) वाख कविता के आधार में भाव स्पष्ट कीजिए- जेब टटोली कौड़ी न पाई। **[2]**

(iv) **ग्राम श्री** कविता के आधार पर गंगा किनारे की चित्रात्मक छवि का अंकन कीजिए। **[2]**

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[8]**

(i) **इस जल प्रलय में** पाठ के आधार पर अत्यधिक चिंता की स्थिति में व्यक्ति को नींद नहीं, स्मृतियाँ आने लगती हैं, क्यों? **[4]**

(ii) लेखिका मृदुला गर्ग के मन में उसकी नानी, दादी, माँ, भाई-बहनों आदि की स्मृतियाँ हैं। इन्हीं रिश्तों से परिवार बनता है। परिवार के बारे में अपने विचार प्रकट करते हुए बताइए कि यह किस प्रकार महत्त्वपूर्ण है? **[4]**

(iii) लड़कियों का उच्च शिक्षित होना आज के युग में भी अभिशाप क्यों समझा जाता है? **रीढ़ की हड्डी** पाठ के आधार पर तर्क सहित स्पष्ट कीजिए। **[4]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[6]**

(i) **महिला दिवस** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**
संकेत-बिंदु

- कब और क्यों
- आवश्यकता
- सामाजिक परिवर्तन और प्रेरणा

(ii) **बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक उपकरण** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- पर्यावरण के लिए ख़तरे की घंटी
- अनुपयोगी उपकरणों को नष्ट करने की समस्या
- हमारा दायित्व

(iii) **प्लास्टिक की दुनिया** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- प्लास्टिक का आविष्कार और इसका उपयोग
- प्लास्टिक के गुण एवं दोष
- प्लास्टिक का पर्यावरण पर प्रभाव

13. आप आर्या/आरव हैं। आपने अपनी प्रधानाचार्या को शतरंज के प्रशिक्षण की व्यवस्था करवाने के लिए निवेदन किया था। उन्होंने आपके निवेदन पर विद्यालय में शतरंज प्रशिक्षक की व्यवस्था कर दी है। अतः उन्हें लगभग 100 शब्दों में धन्यवाद-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

कुछ ही समय पूर्व सम्पन्न हुए विधानसभा चुनाव में आपके मौसाजी विधानसभा का चुनाव जीत गए हैं। क्षेत्र के मतदाताओं की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की कामना करते हुए उन्हें बधाई-पत्र लिखिए।

14. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य abcschool@gmail.com को शुल्क-मुक्ति (फीस माफ) करने हेतु एक इमेल लिखिए। **[5]**

अथवा

मैं और मेरी लेखनी विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

15. सिनेमा देखकर निकलते हुए पति-पत्नी का संवाद लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **[4]**

अथवा

आप अभय सिंह/अभया सिंह हैं और **समर्पण** नामक गैर-सरकारी संगठन के अध्यक्ष/की अध्यक्षा हैं। आपका संगठन प्रौढ़ों के लिए निःशुल्क सायंकालीन कक्षाएँ प्रारंभ करने जा रहा है। इन कक्षाओं में भाग लेने के इच्छुक लोगों के लिए एक सूचना तैयार कीजिए।

Solution

SAMPLE QUESTION PAPER - 2

Hindi A (002)

Class IX (2024-25)

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (ग) उनहत्तर वर्ष की आजादी के बाद नागरिकों से लेखक की कई अपेक्षाएँ है कि हमारी युवा पीढ़ी सर्वप्रथम अपने भीतर के तर्कशील भारतीय को जगाए और एक सफल नागरिक एवं उपभोक्ता के रूप में देशहित के लिए कार्य करे।
   2. (क) किसी देश में लोकतंत्र की सफलता जन-जीवन में व्याप्त नैतिकता की भावना पर निर्भर करती है।
   3. (ख) हमारे देश में लोग हमेशा एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्य का निर्वाह करने से भागते रहे हैं अर्थात उनमें जागरूकता का अभाव रहा है।
   4. किसी भी मंत्री के लिए आवश्यक है कि वह ईमानदार हो और कोई उसे भ्रष्ट न बना सके साथ ही यह भी आवश्यक है कि अन्य लोग उसकी ईमानदारी पर विश्वास करे।
   5. लोकतंत्र की भावना जगाना और बढ़ाना लोगों का सामाजिक दायित्व है।
2. I. (ii) वह पेट भरने लायक भी नहीं कमा पाता
   II. (i) विष का घूँट पीकर
   III. (iv) उसकी दशा में सुधार होगा
   IV. जेठ का महीना कवि को बाधित नहीं कर रहा है क्योंकि वह अपने काम में मग्न है।
   V. उसने बडे-से-बड़े लोगों को भी अपना कष्ट नहीं बताया क्योंकि वह अपने काम में तल्लीन है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. उपसर्ग
   i. संभावना = 'सम्' उपसर्ग और 'भावना' मूल शब्द है |
   ii. अज्ञात = 'अ' उपसर्ग और 'ज्ञात' मूल शब्द है |
   iii. आशंका = 'आ' उपसर्ग और 'शंका' मूल शब्द है |

   प्रत्यय
   i. शब्द + ओं = शब्दों
   ii. ग्राम + ईन = ग्रामीण
   iii. साँप + ओला = सँपोला
4. i. यथानियम = नियम के अनुसार (अव्ययीभाव समास)
   ii. शराहत = शर से आहत/ शर के द्वारा आहत (करण/ तृतीया तत्पुरुष समास)
   iii. नेक है नाम जिसका = नेकनाम (बहुब्रीहि समास)
   iv. कुमारी श्रमणा = कुमारीश्रमणा (कर्मधारय समास)
   v. चार गुनी = चौगुनी (चार गुणे का समाहार) (द्विगु समास), चार गुना है जो -कर्मधारय समास
5. i. विधानवाचक वाक्य
   ii. आज्ञावाचक वाक्य
   iii. काश ! पिताजी आज आ जाएँ।
   iv. वर्षा होने पर फ़सल भी अच्छी होती है।

v. तुम कल आओगे?

6. i. अनुप्रास अलंकार
   ii. अनुप्रास अलंकार
   iii. यमक अलंकार
   iv. यमक अलंकार
   v. श्लेष अलंकार

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

जानवरों में गधा सबसे ज्यादा बुद्धिहीन समझा जाता है। हम जब किसी आदमी को परले दराजे का बेवकूफ़ कहना चाहते हैं, तो उसे गधा कहते हैं। गधा सचमुच बेवकूफ़ है या उसके सीधेपन, उसकी निरापद सहिष्णुता ने उसे यह पदवी दे दी है, इसका निश्चय नहीं किया जा सकता। गायें सींग मारती हैं, ब्याई हुई गाय तो अनायास ही सिंहनी का रूप धारण कर लेती है। कुत्ता भी बहुत गरीब जानवर है, लेकिन कभी-कभी उसे भी क्रोध आ ही जाता है; किंतु गधे को कभी क्रोध करते नहीं सुना, न देखा। जितना चाहो गरीब को मारो, चाहे जैसी खराब, सड़ी हुई घास सामने डाल दो, उसके चेहरे पर कभी असंतोष की छाया भी न दिखाई देगी।

(i) **(क)** गधे के

व्याख्या:

गधे के

(ii) **(ग)** बिल्कुल बुद्धिहीन व्यक्ति को

व्याख्या:

बिल्कुल बुद्धिहीन व्यक्ति को

(iii) **(घ)** किसी को विपदा में न डालने वाली सहनशीलता

व्याख्या:

किसी को विपदा में न डालने वाली सहनशीलता

(iv) **(क)** गधे को

व्याख्या:

गधे को

(v) **(क)** निर्

व्याख्या:

निर्

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) लेखक ने जब तिब्बत की यात्रा की थी तब वहाँ कानून और सुरक्षा की स्थिति बहुत खराब थी। वहाँ की सरकार पुलिस और ख़ुफ़िया विभाग पर अधिक खर्चा नहीं करती थी इसलिए कानून व्यवस्था ढीली थी। हथियारों का कानून न होने के कारण लोग बंदूक को लाठी-डंडे की तरह लेकर घूमते थे।

(ii) लेखक सालिम अली के स्वभाव से भली-भांति परिचित थे | वे रोज़ नियम से गले में दूरबीन लटकाएँ तथा कंधे पर बोझ टाँगें पक्षियों के विषय में जानकारी प्राप्त करने निकलते थे | कुछ समय पश्चात वे उनके बारे में दुर्लभ जानकारी एकत्रित कर लौट आते थे | आज उनकी मृत्यु के बाद भी लेखक को ऐसा ही लग रहा है कि आज भी सालिम अली हमेशा की तरह इस अंतहीन सफ़र से लौट आएँगे इसलिए लेखक ने ऐसा कहा है ," सालिम अली, तुम लौटोगे ना !"

(iii) लेखिका ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की निम्नलिखित विशेषताओं का उल्लेख किया है-

i. **धार्मिक स्वभाव-** लेखिका की माँ धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं | नियमित रूप से पूजा-पाठ करती थीं। ईश्वर में आस्था रखने वाली वे मीराबाई के पद तथा प्रभातियाँ गाती थीं।
ii. **संस्कारी महिला-** लेखिका की माँ संस्कारी महिला थीं | उनके संस्कारों का प्रभाव लेखिका पर भी पड़ा।
iii. **हिंदी-संस्कृत की ज्ञाता-** लेखिका की माँ को हिंदी-संस्कृत का अच्छा ज्ञान था। इस कारण लेखिका भी हिंदी संस्कृत के प्रति रुझान उत्पन्न हुआ |
iv. **धार्मिक सहिष्णुता-** लेखिका की माँ धर्म सहिष्णु महिला थीं। जवारा के नवाब के परिवार से उनके मधुर और आत्मीय संबंध थे |

(iv) मेरी दृष्टि में वेश-भूषा को लेकर आज के लोगों की सोच में काफी परिवर्तन आया है। आजकल लोग अपनी वेशभूषा के प्रति बहुत जागरूक हो गए हैं। वे मौके के अनुसार वेशभूषा का चयन करते हैं। आज लोग घर से शानदार पोशाक पहनकर बाहर निकलते हैं जिससे हमें इनकी आर्थिक स्थिति का पता नहीं चलता है। कहने का अर्थ है कि कम पैसे वाले लोग भी यथासंभव अपनी बुद्धि का प्रयोग पोशाक के चयन में भी करते हैं। यह काफी हद तक अच्छी बात है। समस्या तब आती है जब विभिन्न असमानताओं से भरे हमारे देश में पहनावा हमारा स्टेटस सिंबल या कहें दिखावे की वस्तु बन जाता है। लोग दिखावे में आकर अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई फैशन के चक्कर में अपने कपड़ों पर खर्च करते हैं। अमीर का तो इसमें नाम मात्र का आर्थिक नुकसान होता है। वहीं गरीब तो बेचारा मारा ही जाता है। मध्यम आय वर्ग के लोग भी फैशन के आर्थिक बोझ के तले दब जाते हैं।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

पखापखी के कारनै, सब जग रहा भुलान।
निरपख होइ के हरि भजे, सोई संत सुजान।।

(i) **(ख)** पक्ष-विपक्ष के कारण

व्याख्या:

पक्ष-विपक्ष के कारण

(ii) **(घ)** मन में निष्पक्षता की भावना का

व्याख्या:

मन में निष्पक्षता की भावना का

(iii) **(ग)** सभी

व्याख्या:

सभी

(iv) **(घ)** जो बैर-भाव से दूर रहकर ईश्वर भजन करता है

व्याख्या:

जो बैर-भाव से दूर रहकर ईश्वर भजन करता है

(v) **(घ)** अनुप्रास

व्याख्या:

अनुप्रास

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) रात में पड़ने वाला कोहरा सुबह के समय और भी घना हो जाता है जो शीत की भयावहता को और भी बढ़ा देता है। वातावरण में छाया घना कोहरा और टपकती बर्फीली फुहारें सर्दी को चरम पर पहुँचा देती हैं। इस वातावरण में कोई भी घर से बाहर नहीं निकलना चाहता। इस प्रकार के माहौल में काँपते हुए बच्चों को अपनी जीविका चलने और रोजी-रोटी कमाने हेतु काम पर जाते देखकर कवि दुखी होता है। वह सोचता है कि काम की परिस्थितियाँ भी एकदम प्रतिकूल हैं पर फिर भी इन बच्चों को काम पर जाना पड़ रहा है।

(ii) गर्मी के महीने में लोग गर्मी के प्रभाव से व्याकुल हो उठते हैं। वे गर्मी से छुटकारा पाने के लिए वर्षा का इंतजार करते हैं। किसान भी फसल की बुवाई के लिए वर्षा लाने वाले बादलों का इंतजार करते हैं। इसी प्रकार पाहुन (दामाद) का इंतजार भी उसकी सुसराल में किया जाता है। दोनों की ही बैचेनी से प्रतीक्षा की जाती है इसलिए मेघ की तुलना पाहून से की गई है।

(iii) **भाव-** कवयित्री ने अपना सारा जीवन सांसारिक वासनाओं में फंसकर व्यर्थ गँवा दिया। जीवन के अंतिम समय में जब उन्होंने पीछे देखा तो ईश्वर को देने के लिए उनके पास कोई सद्कर्म ही नहीं थे।

(iv) कवि ने बनारस और इलाहाबाद में शिक्षा प्राप्त की थी जहाँ उसने गंगा नदी की शोभा को निकटता से देखा था, वहाँ की छवियाँ उस के मन में रची-बसी हुई थीं। वसंत ऋतु आने पर पेड़-पौधों और फसलों पर ही बहार नहीं आ जाती बल्कि जीव जंतु भी अपने भीतर परिवर्तन को अनुभव करते हैं। गंगा की धाराएँ हर पल तटों को नहलाती आगे बढ़ती जाती हैं और उनके आगे बढ़ने से साँपों जैसे निशान रेत पर छूट जाते हैं। धूप में सूखी रेत तरह-तरह के रंगों में चमकती है, दूर-दूर से बह कर आए घास-पात और तिनके तटों की रेत पर बिखर जाते हैं। किसान रेत भरे तटों पर ककड़ी, खरबूजे और तरबूज उगाते हैं। बगुले अपने पंजों रूपी कंघी से अपनी कलगियाँ संवारते हैं। सुरखाब पानी पर तैरते हैं और पुलिया पर मगरौठी सोई रहती है।

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) चारों ओर बाढ़ आने का शोर मचा हुआ था, ऐसे में लेखक फणीश्वरनाथ रेणु जी की आँखों की नींद उड़ गई थी। उनका मन आशंकित था तथा बाढ़ की विभीषिका से ग्रस्त था। उन्हें भूली-बिसरी यादें आने लगीं। पुरानी स्मृतियाँ उनके सामने छाने लगीं। वस्तुतः आपत्तिकाल में मानसिकता या दृष्टिकोण में पर्याप्त परिवर्तन आ जाता है। अपने सामने विपत्ति को देखकर व्यक्ति अपने अतीत

को याद करने लगता है। उसकी मानसिकता 'नॉस्टैल्जिज' (उदासीन) हो जाती है। बाढ़ की इस विभीषिका को देखकर उनको चिंता के कारण नींद नहीं, अपितु पुरानी स्मृतियाँ आने लगी थीं।

(ii) लेखिका ने प्रस्तुत पाठ में अपने परिवार का वर्णन करते हुए जिन रिश्तों एवं उनसे जुड़ी भावनाओं का उल्लेख किया है, वास्तव में उन्हीं से परिवार की रचना होती है। परिवार एक ऐसी सामाजिक इकाई है, जिसके परिवेश में पल-बढ़ कर मनुष्य प्राथमिक रूप से सामाजिकता तथा व्यक्तिगत आचार-विचार एवं कार्य-व्यवहार की शिक्षा प्राप्त करता है। यह कहना गलत न होगा कि परिवार हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक एवं व्यक्तिगत जीवन की भी सबसे महत्त्वपूर्ण इकाई है। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में भी देखा जाए तो रामायण, महाभारत आदि में वर्णित घटनाओं के केंद्र में परिवार ही है। समाजशास्त्रियों ने समाज को परिभाषित करते हुए उसे 'सामाजिक संबंधों का जाल' कहा है। यदि यह कथन सत्य है, तो यह मानने में कोई कठिनाई नहीं कि उस जाल को बनाने का सबसे महत्त्वपूर्ण सूत्र परिवार ही है। समाज की रचना का आरंभ परिवार के समूहों से ही होता है।

(iii) लड़कियों का उच्च शिक्षित होना आज के युग में भी अभिशाप इसलिए समझा जाता है, क्योंकि समाज में अब भी 'गोपाल प्रसाद' जैसे व्यक्ति मौजूद हैं जो पुरातनपंथी, रूढ़िवादी मानसिकता के शिकार हैं। उन्हें यह भय सताने लगता है कि यदि लड़कियाँ पढ़-लिख गईं, तो इससे पुरुष वर्चस्व में कमी आ जाएगी। नारी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो जाएगी। लड़कियों के पढ़ने से पुरुष सत्ता का एकाधिकार टूट जाएगा, शिक्षा प्राप्त करने के लिए लड़कियों में साहस का भाव आ जाएगा और तब वे किसी अन्याय के सामने नहीं झुकेंगी। ऐसे लोगों पर पुरातनपंथी मानसिकता हावी है। ये लोग लड़कियों को दूसरे के घर की संपत्ति समझते हैं। लड़कियों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य के अधिकारों से वंचित रखना चाहते हैं। यह उनकी पुरुषवादी मानसिकता का जीवंत प्रमाण है।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) **महिला दिवस**

• **कब और क्यों:** महिला दिवस हर साल 8 मार्च को मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं के अधिकारों, उनकी उपलब्धियों और समाज में उनकी भूमिका को मान्यता देने के लिए समर्पित है। महिला दिवस की शुरुआत 1900 के दशक की शुरुआत में हुई थी, जब महिलाओं ने समान अधिकारों और अवसरों के लिए संघर्ष किया।

• **आवश्यकता:** महिला दिवस की आवश्यकता आज भी प्रासंगिक है, क्योंकि समाज में महिलाओं को समानता, सम्मान और अवसर देने की दिशा में अभी भी बहुत काम बाकी है। महिलाओं के साथ भेदभाव, हिंसा और असमानता की समस्याएँ आज भी कई समाजों में मौजूद हैं। इस दिन के माध्यम से इन मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया जाता है और महिलाओं की स्थिति सुधारने के प्रयासों को प्रोत्साहित किया जाता है।

• **सामाजिक परिवर्तन और प्रेरणा:** महिला दिवस सामाजिक परिवर्तन और प्रेरणा का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों को मान्यता देता है और समाज में उनके योगदान को सराहता है। यह महिलाओं को प्रेरित करता है कि वे अपने सपनों को पूरा करें और समाज में समान अवसरों की ओर कदम बढ़ाएँ। इसके साथ ही, यह हमें याद दिलाता है कि

समानता और सम्मान के लिए संघर्ष जारी रखना चाहिए, ताकि सभी महिलाओं को उनके अधिकार मिल सकें।

(ii) **बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक उपकरण**

आज के युग को इलेक्ट्रॉनिक युग के रूप में जाना जाता है। वास्तव में, विज्ञान वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में लहरें बना रहा है। सच कहूं तो विज्ञान पूरी तरह से इलेक्ट्रॉनिक्स पर आधारित है।

यही कारण है कि दुनिया के विकसित देश इलेक्ट्रॉनिक्स को इतना अधिक महत्व देते हैं। माना जाता है कि 1950 के आसपास इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में लोकप्रिय हो गए थे। उसके बाद, साल-दर-साल, इलेक्ट्रॉनिक्स का प्रचार और उपयोग उस बिंदु तक बढ़ गया है जहाँ अब यह भारत के लगभग सभी कामों के लिए जिम्मेदार है। इलेक्ट्रॉनिक्स अब अन्य चीजों के अलावा पूरे देश की शिक्षा, कृषि और स्वास्थ्य देखभाल को नियंत्रित करता है। हम आज के विज्ञान में इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी के महत्व को भी पहचानते हैं।

इन दोनों का अपने-अपने क्षेत्रों में बड़ा और सक्रिय प्रभाव है। हम इलेक्ट्रॉनिक्स के माध्यम से एक-से-एक उद्योग-व्यवसाय, संपर्क आदि सफलतापूर्वक करते हैं, जबकि हम प्रौद्योगिकी के माध्यम से विभिन्न प्रकार के कार्यों को भी पूरा करते हैं जो केवल इलेक्ट्रॉनिक्स के माध्यम से संभव नहीं हैं। दूसरी ओर, इलेक्ट्रॉनिक्स के माध्यम से हम जो महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य पूरा करते हैं, वह तकनीक के साथ भी संभव नहीं है।आज हमारे पास दो तरह की तकनीक है: एक है परमाणु विज्ञान और दूसरा है अंतरिक्ष विज्ञान। हम इन दोनों प्रकार के विज्ञानों के माध्यम से अपने विश्व स्तरीय महत्व को प्रदर्शित करने में सक्षम हुए हैं। यही कारण है कि आज की दुनिया में प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स तेजी से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं।

हालाँकि इलेक्ट्रॉनिक्स पहली बार 1950 में भारत में दिखाई दिए, लेकिन इसे अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने में 20 साल और लग गए। नतीजतन, 1970 के आसपास, भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स की शक्ति में वृद्धि देखी गई। इससे भारत ने आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस संबंध में, आत्मनिर्भरता के लिए उचित सिद्धांतों और नीतियों की देखरेख के लिए फरवरी 1971 में इलेक्ट्रॉनिक्स आयोग की स्थापना की गई थी। भारत में, इस आयोग के गठन के परिणामस्वरूप छोटे और बड़े उद्योगों, कारीगरों के संगठन के माध्यम से लगभग 150 बड़े कारखानों और लगभग 2000 छोटे कारखानों की स्थापना हुई। उनका उपयोग उपयोगी और बेहतर इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और पुर्जे बनाने के लिए किया जाता है। इलेक्ट्रॉनिक्स आयोग के गठन के बाद ही उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान, औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण, भागों, संचार, उपकरण, वायु उपकरण, सैन्य उपकरण, कंप्यूटर, नियंत्रण उपकरण और अन्य प्रणालियों को लागू किया गया था।

देश भर में हमारी सबसे बड़ी परियोजनाएँ भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज, इंस्ट्रुमेंटेशन लिमिटेड, एचटीएल, सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और अन्य नई विकसित प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके पूरी की गई हैं। परिणामस्वरूप, हमारे उद्योगों की दक्षता अपेक्षा से कहीं अधिक बढ़ गई है। इसी तरह, विकास ढांचे को अधिक जीवंत और शक्तिशाली बनाने के लिए खनन कंप्यूटर डेटाबेस, समुद्री इंस्ट्रुमेंटेशन सिस्टम, माइक्रोवेव संचार, माइक्रो प्रोफेसर सिस्टम, फाइबर ऑप्टिक्स, मौसम विज्ञान, और अन्य जैसे विभिन्न

अनुसंधान और विकास क्षेत्रों को चुना गया है। इसी प्रकार देश भर में 18 इलेक्ट्रॉनिक परीक्षण एवं विकास केन्द्रों की स्थापना कर विभिन्न प्रकार के तकनीकी उद्योगों के माध्यम से राष्ट्रीय उद्योग की गति को तेज किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, बंगाल, जम्मू और कश्मीर और अन्य सहित विभिन्न राज्य सरकारों ने पूरे देश में इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र स्थापित किए हैं। इस तरह भारत की इलेक्ट्रॉनिक शक्ति तीव्र गति से बढ़ रही है।

(iii) **प्लास्टिक की दुनिया**

प्लास्टिक का आविष्कार ड्यू बोयस एवं जॉन द्वारा किया गया था। प्लास्टिक का उपयोग मशीन के कल-पुर्जों, पानी की टंकियों, दरवाज़ों, खिड़कियों, चप्पल-जूतों, रेडियो, टेलीविज़न, वाहनों के हिस्सों, आदि में किया जाता है, क्योंकि प्लास्टिक से बनी वस्तुएँ आसानी से खराब नहीं होतीं। यदि किसी कारण ये टूट-फूट जाएँ, तो इन्हें फिर से बनाकर पुनः उपयोग में लाया जा सकता है। इनमें मनचाहा रंग मिलाकर इन्हें अधिक आकर्षक भी बनाया जा सकता है। यही कारण है कि प्लास्टिक से बने आकर्षक रंग-बिरंगे फूल असली फूलों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं। आज लोगों को बाज़ार से सामान प्लास्टिक के बने आकर्षक थैलों में पैक करके मिलता है।

इसके अनेक उपयोग के बावजूद प्लास्टिक से बनी वस्तुओं से पर्यावरण बुरी तरह दुष्प्रभावित हो रहा है। प्लास्टिक कभी न गलने-सड़ने वाला पदार्थ है, जिसके कारण भूमि, जल, पर्यावरण आदि अत्यधिक प्रदूषित होते जा रहे हैं। अतः हमें प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना चाहिए, ताकि पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सके।

13. सेवा में,

प्रधानाचार्या महोदया,

डीएवी पब्लिक स्कूल, रायपुर (छ.ग.)।

विषय- विद्यालय में शतरंज प्रशिक्षण की व्यवस्था हो जाने के संबंध में धन्यवाद ज्ञापित करने के संबंध में पत्र।

महाशया,

मेरा नाम आरव है। मैं कक्षा-12वीं (वाणिज्य संकाय) का छात्र हूं। छात्र कल्याण परिषद् के अध्यक्ष होने के नाते पूर्व में आपसे सादर निवेदन किया था कि हमारे विद्यालय में शतरंज प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए। ताकि शतरंज के खेल में हमारे स्कूल की पहचान बढ़े और बच्चे शतरंज की बारीकियों व तकनीकों को समझ सकें। मुझे खुशी है कि आपने मेरे निवेदन को स्वीकार करके विद्यालय में शतरंज प्रशिक्षक की व्यवस्था कर दी है तथा शतरंज जैसे अन्तर्राष्ट्रीय खेल सीखने के प्रति विद्यालय के छात्रों को प्रोत्साहन दिया है। इस खेल से बच्चों में मानसिक व तार्किक मज़बूती आएगी। एक बार पुनः समस्त छात्रों की ओर से आपको आभार प्रकट करता हूं।

सधन्यवाद!

भवदीय

आरव

अध्यक्ष, छात्र कल्याण परिषद्

डीएवी पब्लिक स्कूल, रायपुर (छ.ग.)।

5 जून, 2024

अथवा

पी-25, सिविल लाइन्स
दिल्ली
दिनांक: 17 जनवरी, 2019
पूज्यनीय मौसाजी
सादर चरण स्पर्श

अभी-अभी टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले समाचारों में सुना कि आप अपने क्षेत्र में भारी बहुमत से विधानसभा के लिए चुन लिए गए हैं। आपके विधानसभा सदस्य चुने जाने पर परिवार के सभी सदस्य स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। मेरे सहपाठियों ने भी मुझे दूरभाष पर बधाई संदेश दिया है। मेरी ओर से आपको ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएँ।

चुनाव प्रजातंत्र की महत्त्वपूर्ण क्रिया है जिसके माध्यम से जनता योग्य उम्मीदवारों का चुन कर अपना प्रतिनिधि चुनती है | वे प्रतिनिधि ही जनता की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ समस्त सुख-सुविधाओं का ध्यान रखने के साथ प्रगति का रास्ता भी निकालती है। इसीलिए इन प्रतिनिधियों की ज़िम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है क्योंकि उनके साथ जनता की उम्मीद और सपने जुड़ जाते हैं। आपके विधायक बन जाने पर आप पर एक बहुत बड़ा उत्तरदायित्व आ गया है। आपके निर्वाचन-क्षेत्र के मतदाता आपसे बहुत आशा लगाए बैठे हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप उनकी अपेक्षाओं में न केवल खरे उतरेंगे बल्कि जनसेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करेंगे।

आपका बेटा
विनोद

14. From: pawan@mycbseguide.com

To: abcschool@gmail.com

CC ...

BCC ...

विषय - शुल्क-मुक्ति हेतु

महोदय,

मैं इस विद्यालय की नौवीं-अ कक्षा का छात्र हूँ। मेरे पिता जी एक प्राइवेट फैक्ट्री में कंप्यूटर ऑपरेटर हैं, जिनका वेतन कम है। घर में कुल छह सदस्य हैं, जिनका निर्वाह पिता जी की कमाई पर निर्भर है। मेरा एक छोटा भाई भी इस स्कूल की छठी कक्षा का छात्र है। हम दो भाइयों की फीस देना पिता जी के लिए काफी मुश्किल हो रहा है। आपसे प्रार्थना है कि मेरी फीस माफ करने की कृपा करें ताकि मैं अपनी पढ़ाई आगे भी जारी रख सकूँ। आपकी इस कृपा के लिए मैं आपका आभारी रहूँगा।

पवन

अथवा

मैं और मेरी लेखनी

आज अलमारी की सफाई करते हुए हमें वह लेखनी मिली जो मुझे मेरे पिताजी ने उस समय भेटस्वरूपी थी जब कक्षा 6 में मैंने कलम से लिखना शुरु किया था, कलम के हाथ में आते ही मुझे महसूस हुआ कि मानो मेरी लेखनी मुझसे कह रही कि मैं उसे भूल गई हो, आज मेरे पास रंग-बिरंगे तरह-तरह के कलम है, लेकिन इस लेखनी के आगे मुझे सब फीके-फीके लग रहे थे। उस लेखनी का

जादू सिर पर चढ़कर बोल रहा था क्योंकि उसी लेखनी से परीक्षा देकर ही मन कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए थे। मैंने उसे हाथों के स्पर्श से सहलाया उसकी धूल पोंछी और दवात से स्याही निकाली और उसमें डाल दी, स्याही पड़ते ही मैने अपना गृहकार्य किया। आज उस कलम से लिखे हुए शब्द मुझे ऐसे प्रतीत हुए कि मानो मैंने उस कलम की नाराजगी दूर कर दी और वह फिर से मुस्कराने लगी। मुझे विश्वास हो गया कि मैं और मेरी लेखनी मिलकर फिर चमत्कार करेंगे और जीवन में नयी उपलब्धियाँ प्राप्त करेंगे।

15. पति - कैसी लगी फिल्म, अच्छी थी ना?
पत्नी - हाँ! ठीक ही थी।
पति - क्यों? ऐसा क्यों कह रही हो? क्या सिनेमा देखकर आनन्द नहीं आया?
पत्नी - ज्यादा नहीं, क्योंकि इसमें मारधाड़ के दृश्य अधिक थे और गाने भी कोई खास नहीं थे।
पति - अरे ! कितने अच्छे तो गाने थे और हीरो ने क्या स्टंट किए हैं, मुझे तो बहुत आनन्द आया और तुम कह रही हो कि तुम्हें आनन्द ही नहीं आया।
पत्नी - आपको ही मुबारक हो ऐसी मारधाड़ वाला सिनेमा। अगली बार मुझे पहले ही बता दीजियेगा कि आप मारधाड़ वाला सिनेमा देखने जा रहे हैं तो साथ नहीं आऊँगी।
पति - अरे बिगड़ती क्यों हो? अगली बार तुम्हारी पसन्द का सिनेमा देख लेंगे, ठीक है?

अथवा

समर्पण
(गैर सरकारी संगठन)

सूचना

09/10/2023

निःशुल्क सायंकालीन कक्षाएँ

मैं अभय सिंह, 'समर्पण' नामक गैर-सरकारी संगठन का अध्यक्ष हूँ। सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि हमारा संगठन प्रौढ़ व्यक्तियों के लिए निःशुल्क सायंकालीन कक्षाएँ आयोजित करने जा रहा है। हम आपको खुले मन से स्वागत करते हैं और इन सायंकालीन कक्षाओं के लाभ उठाने की अपेक्षा करते हैं। समय और स्थान के साथ-साथ अन्य विवरण आपको भेज दिए गए संपर्क विवरण पर मिलेंगे।

दिनांक: 12/10/2023 से 17/10/2023 तक
समय: सांय: 5 बजे से 7 बजे तक
स्थान: 285, रिवर पार्क
अध्यक्ष
अभय सिंह